अग्निशोध और प्रोजेक्ट संभव

स्रोत: पी. आई. बी.

सेनाध्यक्ष (COAS), जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने IIT मद्रास परिसर में **भारतीय सेना अनुसंधान प्रकोष्ठ (**Indian Army Research Cell- **IARC) 'अग्निशोध'** का उद्घाटन किया। COAS ने सुरक्षित संचार के लिये एक प्रमुख तकनीकी पहल के रूप में **प्रोजेक्ट संभव (सक्रियोर आर्मी मोबाइल भारत विज़न)** पर भी प्रकाश डाला।

अग्निशोध

- अग्निशोध शैक्षणिक अनुसंधान और **सैन्य आवश्यकताओं के बीच एक सेतु का काम** करता है, तथा प्रयोगशाला स्तर के **नवाचारों को क्षेत्र-तैयार रक्षा प्रौद्योगिकियों में परिवर्तित** करता है।
  - यह **भारतीय सेना के परिवर्तन के पाँच स्तंभों के अनुरूप** है, जिसमें **प्रौद्योगिकी अवशोषण, संरचनात्मक परिवर्तन, मानव संसाधन विकास और तीनों सेवाओं** के बीच सामंजस्य बढ़ाना शामिल है।
- अग्निशोध कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, वायरलेस संचार और मानव रहित प्रणालियों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - यह उभरते हुए क्षेत्रों में सैन्य कर्मियों को उन्नत कौशल प्रदान करने का भी लक्ष्य रखता है, ताकि एक तकनीकी रूप से सक्षम रक्षा बल तैयार किया जा सके।
- अग्निशोध आधुनिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध पर सेना के फोकस और INDIAai तथा चिप-टू-स्टार्टअप जैसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी मिशनों के माध्यम से आत्मनिर्भरता के लिये इसके प्रयास को दर्शाता है।

प्रोजेक्ट संभव

- भारतीय सेना के **"2024 वर्ष - प्रौद्योगिकी आत्मसात" (Year of Technology Absorption) के तहत शुरू किया गया संभव** एक [illegible], **5G-आधारित**, [illegible]-[illegible] मोबाइल सिस्टम है।
- यह प्रणाली [illegible] को संभव बनाती ([illegible] में भी) है।
- **संभव** को [illegible] को अधिक [illegible], [illegible] बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।

और पढ़ें: भारत में सामरिक रक्षा प्रौद्योगिकियाँ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agnishodh-and-project-sambhav